Success Story 2016-17

सफल एवं नवाचारी कृषकों के कार्यों का विवरण

जिन क्षेत्रों में ध्यान केन्द्रित किया गया है :– मुर्गी पालन एवं उद्यानिकी नवाचारक कृषक का विवरण

1- नाम – श्री बंशीलाल निषाद ग्राम – नेवारी पोष्ट – कवर्धा तहसील – कवर्धा जिला – कबीरधाम (छ.ग.)

2- शैक्षणिक योग्यता (पांचवी/आठवीं/हाई स्कूल/स्नातक /स्नातकोत्तर/अन्य)– स्नातक

3- वार्षिक आय– 2.00 लाख

4- कुल कार्य अनुभव (वर्षों में)– तीन वर्ष

5- नवाचार कार्य का प्रारम्भ वर्ष– 2012

6- कार्यक्षेत्र– मुर्गी पालन

7- कुल वार्षिक बिक्री– 101000/–

8- आगामी विस्तार योजना– ब्रायलर मुर्गी पालन करना

9- रोजगार में लगे कर्मचारियों की संख्या–03

10- सम्पर्क विवरण (मोबा. नं./दूरभाष नं./ईमेल)– 8305970626

बिजनेस मॉडलः बैकयार्ड मुर्गी पालन + उद्यानिकी + मत्स्य पालन

नवाचार का विवरण (फोटो संलग्न करें) : श्री बंशीलाल निषाद कृषि कार्यो में संलग्न है, इन्हांने कृषि के साथ–साथ अतिरिक्त आमदनी के लिए, कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा के मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण लेकर मुर्गी पालन प्रारंभ किया। पहले 50 मुर्गी (देशी नस्ल) कय कर व्यवसाय की शुरूआत की वर्तमान में इनके पास 200 से अधिक मुर्गीयॉ है, जिनको विकय कर कृषि के साथ अतिरिक्ति लाभ कमा रहे है।

विवरण	मांस उत्पादन (Kg)	अंडा उत्पादन(No.)
कुल उत्पादन	225	1200
कुल बिकी	90000	24000
लागत	6000	7000
शुद्ध लाभ	84000	17000

नवाचार तकनीकी का प्रभावः 1. कृषि के साथ मुर्गीपालन करने से आय में वृद्धि।
2. मुर्गी खाद का उपयोग करने से सब्जी उत्पादन में वृद्धि।
3. कृषि में खाद की लागत में कमी।
4. इस व्यवसाय को महिलाओं के द्वारा आसानी से किया जा सकता है
5. मुर्गी एवं अण्डा प्रोटीन का अच्छा स्त्रोत होने के कारण कुपोषण से बचाव

विशिष्ट पहचान/ईनामः–

आने वाली प्रमुख समस्यायें (मुद्दे)
(बिन्दुवार जानकारी दें)
1. मुर्गी शेड की आवश्कता है
2. गर्मियों मे पानी की कमी।

Success Story 2016-17

सफल एवं नवाचारी कृषकों के कार्यों का विवरण

जिन क्षेत्रों में ध्यान केन्द्रित किया गया है :– समन्वित कीट प्रबंधन

नवाचारक कृषक का विवरण

1. नाम – श्री कौशल वैष्णव
2. शैक्षणिक योग्यता (पांचवी/आठवीं/हाई स्कूल/स्नातक /स्नातकोत्तर/अन्य)– स्नातक
3. वार्षिक आय– 2.00 लाख
4. कुल कार्य अनुभव (वर्षों में)– 10 वष्र्ा
5. नवाचार कार्य का प्रारम्भ वर्ष– 2013
6. कार्यक्षेत्र– कृषि
7. कुल वार्षिक बिक्री– 5.00 लाख
8. आगामी विस्तार योजना– समन्वित कीट प्रबंधन
9. रोजगार में लगे कर्मचारियों की संख्या–05
10. सम्पर्क विवरण (मोबा. नं./दूरभाष नं./ईमेल)– 8959860768

बिजनेस मॉडल : जैविक फल व सब्जी उत्पादन, समन्वित फसल प्रबंधन द्वारा फसलोंत्पादन

नवाचार का विवरण (फोटो संलग्न करें) : नवोन्वेषी कृषक श्री कौशल वैष्णव 5 हेक्टेयर में हाइब्रिड सब्जियों जैसें टमाटर, बैगन, मिर्च, लौकी, फुलगोभी आदि लगाते है। सब्जियों में कीटों के नियंत्रण के लिए रसायनिक दवा से लागत ज्यादा आती है अतः श्री वैष्णव तम्बाकू के रस का प्रयोग सब्जियों में इल्ली, माहों आदि के नियंत्रण में करते है। एक किलो तम्बाकू को 45–50 लीटर पानी में दो दिन भिगोकर छान लेते है। फिर इस पानी का उपयोग एक एकड़ फसल के लिए एक सप्ताह के अंतराल पर दो या तीन बार छिड़काव करते है। सब्जियों के खेती में तम्बाकू के रस का असर 24 घंटे में दिखाई देने लगता है।

साथ ही श्री वैष्णव फसल, सब्जी उत्पादन में भी रसायनिक कीटनाशक दवाओं की लागत को कम करने के लिए प्रतिदिन 3 लीटर ताजा गौमूत्र मटके में एकत्र करते है तथा 15 दिन के बाद धतूरा, नीम, आक की पत्ती, 20–25 ग्राम तम्बाकू पत्ती, 25 ग्राम मिर्च पावडर कूटकर गौमूत्र में डालकर तैयार करते है। 10–15 लीटर/एकड़ गौमूत्र का उपयोग धान की नर्सरी, बाली अवस्था में तथा चना, सब्जियों में लगने वाले कीटों के लिए उपयोग करते है। श्री कौशल वैष्णव रसायनिक कीटनाशक दवाओं की लागत कम करने क लिए कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यकम व कृषि वैज्ञानिकों के तकनीकी मार्गदर्शन से प्रेरित होकर नवीन तकनीकों को खेती में अमल कर कम उत्पादन में अधिक आय प्राप्त कर रहे है।

नवाचार तकनीकी का प्रभाव : धान्य, दलहन, तिलहन फसलों के साथ–साथ सब्जियों में उपरोक्त कीटनाशी का उपयोग करने से निम्नलिखित प्रभाव हुए।

1. उपलब्ध संसाधनो का प्रभावकारी उपयोग
2. उत्पादन लागत में कमी से मजबूत आर्थिक स्थिति
3. घरेलू स्तर पर कीट नियंत्रण
4. कीटनाशी का विकल्प
5. नई सोच से अधिक उत्पादन
6. उर्वरको का कम उपयोग

7. फसल सघनता में वृद्धि

कमांक	फसल	पूर्व स्थिति (रसायनिक दवा /उर्वरक लागत)	वर्तमान स्थिति (स्वनिर्मित कीटनाशक)
1	धान	4000 रू. प्रति एकड़ (रसायनिक दवा)	1000 रू. प्रति एकड़
2	फल व सब्जी	7000 रू. प्रति एकड़ (रसायनिक दवा)	2500 रू. प्रति एकड़
3	धान	2 बैग यूरिया प्रति एकड़	1 बैग यूरिया प्रति एकड़
4	सब्जी	3 बैग यूरिया प्रति एकड़	1 बैग यूरिया प्रति एकड़

विशिष्ट पहचान/ईनाम :–

आने वाली प्रमुख समस्यायें (मुद्दे)
(बिन्दुवार जानकारी दें)
1. जैविक व समन्वित प्रबंधन के लिए उपलब्ध संसाधनों की कमी।